उत्तराखण्ड ख़ास है.....

हिम शिखरों को चूमने का, गंगा को छूने का,
रहस्य और रोमांच में चलने का,
आस्था में झुकने और 'प्रकृति' में रुकने का अहसास है.....
उत्तराखण्ड ख़ास है।

हर्षिल में गुनगुगाती गंगा,
जागेश्वर में शिव भक्ति में खड़े देवदार,
चोपता में 'प्रकृति' की चंचलता,
और चौकोड़ी से पंचाचूली का निहार
मुनस्यारी के मनोरम दृश्य तो चम्पावत में
'शिल्प' पर 'सौन्दर्य' का प्रयास है.....
उत्तराखण्ड ख़ास है।

हर गाँव में गंगा है, हर गाँव गंगोत्री है
यहाँ शिव में सौन्दर्य, श्रद्धा में शक्ति है
देवभूमि की इस यात्रा में आस्था का इतिहास है
उत्तराखण्ड ख़ास है।

• **डॉ० सर्वेश उनियाल**
हे०न०ब० गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय
श्रीनगर, उत्तराखण्ड
दूरभाष : 9412079253